Deeksha

अभ्यास प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी 'ब' (कोड 85) कक्षा 10

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए -

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और खंड 'ब'
- खंड 'अ' में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं । सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- खंड 'ब' में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । दिए गए निर्देशोंका पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न	खंड' अ' वस्तुपरक प्रश्न	अंक
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न1.	नीचे 2 गद्यांश दिए गए हैं। किसी 1 गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-	5X1=5
	गद्यांश1	
	यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1में गद्यांश1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।	
	आज विश्व शन्ति की आश्वयकता बहुत अधिक और तेज हो गई है। इस अशान्ति के कारण कई हैं। इनमें से मुख्य कारण यह भी है कि आज विश्व के अनेक सबल राष्ट्र एक दूसरे निर्बल और शक्तिहीन राष्ट्र को अपने चंगुल में फंसाए रखने के लिए भारी उद्योग किया करते हैं। इसके लिए वे अपनी निजी शक्ति और आश्वयकताओं को बढ़ाते ही जा रहे हैं। इसके साथ ही अपने सम्पर्को अन्य शक्तिहीन और छोटे राष्ट्रों के प्रति उकसाने की कोशिश में बराबर लगे रहते हैं। इस प्रकार से आज पूरा विश्व कई भागों में बँटा हुआ परस्पर विनाश के गर्त में पहुँचने के लिए नित्य उद्योग करते हुए दिखाई देता है। इसलिए आज विश्व की शान्ति की आश्वयकता बढ़ती जा रही है। विश्व शान्ति कैसेऔर किस प्रकार से हो सकती है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। इस विषय के लिए हम यह कह सकते हैं कि विश्व शान्ति के लिए भाईचारे की भावना सबसे पहले जरूरी है। भाईचारे, मेल-मिलाप की भावना और परस्पर हित-चिन्तन की भावना विश्व शान्ति की दिशा में महान कदम और सार्थक कार्य होगा। परस्पर दुख सुख की भावना और कल्याण स्थापना की भावना विश्व शान्ति के लिए ठोस कदम होगा। विश्व शान्ति के लिए अपने ही समान समझना और अपने ही समान आचरण करना, एक ठोस और प्रभावशाली विचार होगा। अगर इस तरह की सद्भावना और श्रेष्ठ विचार प्राणीप्राणी के मन में उत्पन्न हो जाएगा तो किसी प्रकार से विश्व में अशान्ति और अव्यवस्था की भावना नहीं हो सकती है। बढ़ी हुई दुर्भावनाएँ समाप्त हो सकती हैं। विश्व शान्ति और विश्व को समान दशा में लाने के लिए हमें मानव कल्याण	

	समारोह का आयोजन करना चाहिए। इसके द्वारा जन जन में यह प्रेरणा जगानी चाहिए कि हमें किस प्रकार से अमानवीय और पाशविक दुर्भावनाओं से बचना चाहिए। हमारे अन्दर जो शठता, दुर्जनता और दानवता का प्रवेश हो चुका है। वह किस प्रकार से समाप्त हो सकता है। इसके अन्दर किस प्रकार सज्जनता और मानवता उत्पन्न हो सकती है। इस प्रकार के विचार हमें विभिन्न प्रकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के द्वारा अपनाने की प्रेरणा देनी चाहिए। यह तभी संभव है। जब हम भौतिकवादी दृष्टिकोण का परित्याग कर सकेंगे। इसके स्थान पर हमें प्रकृतिगामी और प्रकृतिवादी दृष्टिकोणों को अपनाना चाहिए।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(1)	विश्व अशांति का प्रमुख कारण क्या है? I. विकसित देशों में प्रदूषण की समस्या के कारण II. सबल राष्ट्र निर्बल और शक्तिहीन राष्ट्र को अपने चंगुल में फंसाए रखने का प्रयास करते हैं। III. सबल राष्ट्रों द्वारा अपने धनबल को दिखाने के प्रक्रम के कारण IV. उपरोक्त सभी	**1**
(2)	विश्व शांति के लिए सबसे पहले क्या जरुरी है? I. प्रशासन को सख्त बनाना II. विकास की गति को रोकना III. एक दूसरे को नीचा दिखाने की भावना IV. भाईचारे की भावना	**1**
(3)	विश्व शांति के लिए किए जाने वाले उपायों में असत्य है- I. भाईचारे, मेल-मिलाप की भावना और परस्पर हित-चिन्तन की भावना II. परस्पर दुख सुख की भावना और कल्याण स्थापना की भावना III. इर्ष्या, द्वेष और विश्वासघात की भावना IV. दूसरों को समान समझना और उनसे अपने ही समान आचरण करना	**1**
(4)	विश्व शान्ति और विश्व को समान दशा में लाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? I. पाशविक व्यवहार करना चाहिए । II. विकास की गति को रोकना चाहिए । III. मानव कल्याण समारोह का आयोजन करना चाहिए। IV. भाईचारे की भावना का त्याग करना चाहिए ।	**1**
(5)	हमारे अन्दर किस प्रकार सज्जनता और मानवता उत्पन्न हो सकती है? I. जब हम भौतिकवादी दृष्टिकोण का परित्याग कर सकेंगे । II. जब हम प्रकृतिगामी दृष्टिकोणों का परित्याग कर सकेंगे । III. जब हम प्रकृतिवादी दृष्टिकोणों का परित्याग कर सकेंगे । IV. जब हम शठता, दुर्जनता और दानवता को आत्मसात कर सकेंगे	**1**

	अथवा गद्यांश-II	
	यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।	
	प्रगति के पथ पर मानव बहुत दूर चला आया है। जीवन के हर क्षेत्र में कई ऐसे मुकाम प्राप्त हो गये हैं जो हमें जीवन की सभी सुविधाएँ, सभी आराम प्रदान करते हैं। आज संसार मानव की मुट्ठी में समाया हुआ है। जीवन के क्षेत्रों में सबसे अधिक क्रांतिकारी कदम संचार क्षेत्र में उठाए गए हैं। अनेक नए स्रोत, नए साधन और नई सुविधाएँ प्राप्त कर ली गई हैं जो हमें आधुनिकता के दौर में काफी ऊपर ले जाकर खड़ा करता है। ऐसे ही संचार साधनों में आज एक बड़ा ही सहज नाम है इंटरनेट। इंटरनेट के प्रयोग के लिए कंप्यूटर, टेलीफोन लाइन तथा मॉडेम जैसे उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है । इंटरनेट के माध्यम से हम अपना कोई भी संदेश विश्व के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति को प्रसारित कर सकते हैं तथा साथ ही साथ उससे संदेश भी प्राप्त कर सकते हैं । इंटरनेट की स्वयं की अपनी एक दुनिया है । इसके द्वारा भेजा गया संदेश उपग्रहों द्वारा ग्रहण किया जाता है तत्पश्चात् पुन: तरंगों के माध्यम से गंतव्य स्थान पर भेजा जाता है । इंटरनेट में 'ई-मेल' , 'वेबसाइट' तथा 'वीडियो कांफ्रेंसिंग' जैसे शब्द महत्वपूर्ण हैं । 'ई-मेल' का तात्पर्य है – 'इलेक्ट्रानिक मेल' अर्थात् इलेक्ट्रानिक उपकरणों के माध्यम से पत्राचार । इंटरनेट के माध्यम से व्यक्ति बहुत ही कम खर्चे में विश्व के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से सीधा संपर्क स्थापित कर सकता है । कंप्यूटर के 'कीं-बोर्ड' की सहायता से वह उक्त व्यक्ति को अपनी बात कह सकता है तथा उसके द्वारा भेजे गए संदेश को कंप्यूटर के मॉनीटर की स्क्रीन अथवा पर्दे पर देख सकता है या उसे कागज पर मुद्रित कर सकता है । यह मनुष्य का दूर बैठे मनुष्य से सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए सबसे त्वरित व कम खर्चे का विश्वसनीय साधन है । इसमें पत्रों की गोपनीयता भी पूरी तरह बनी रहती है । 'वेबसाइट' में किसी उत्पाद अथवा व्यापारिक अनुष्ठान का सचित्र वर्णन सुरक्षित रहता है । कोई भी व्यापारिक अनुष्ठान अथवा कार्यालय अपने उत्पाद अथवा व्यापार संबंधी अन्य लेखे-जोखे की वेबसाइट तैयार करवा सकता है । वह उसको इच्छित पहचान दे सकता है जिसके माध्यम से उपभोक्ता आसानी से उस कार्यालय, व्यापारिक अनुष्ठान व उससे संबंधित उत्पाद की पूरी जानकारी विश्व के किसी भी कोने में घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं । इस प्रकार इंटरनेट के प्रयोग ने व्यापारिक क्षेत्र में एक क्रांति ला दी है । इंटरनेट के माध्यम से उपभोक्ता घर बैठे विश्व के किसी भी कोने से खरीदारी कर सकते हैं । वे इंटरनेट के द्वारा वांछित वस्तु को मँगवा सकते हैं । सभी छोटे-बड़े प्रमुख कार्यालयों व व्यापारिक अनुष्ठानों में इंटरनेट धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है ।	

	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(1)	जीवन के क्षेत्रों में सबसे अधिक क्रांतिकारी कदम किस क्षेत्र में उठाए गए हैं ? I. स्वास्थ्य क्षेत्र II. शिक्षा क्षेत्र III. संचार क्षेत्र IV. कृषि क्षेत्र	1
(2)	इन्टरनेट के लिए निम्नलिखित में से किस उपकरण की आवश्यकता नहीं है? I. कंप्यूटर II. टेलीफोन लाइन III. प्रिंटर IV. मॉडेम	1
(3)	'ई-मेल' का क्या तात्पर्य है? I. इलेक्ट्रिकल मेल II. इलेक्ट्रॉनिक मेल III. इलस्ट्रेटेड मेल IV. इनमें से कोई नहीं	1
(4)	मनुष्य का दूर बैठे मनुष्य से सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए सबसे त्वरित व कम खर्चे का विश्वसनीय साधन क्या है ? I. पत्र II. टेलीग्राम III. इंटरनेट IV. उपरोक्त सभी	1
(5)	निम्नलिखित में किससे उपभोक्ता आसानी से और जल्दी से कार्यालय, व्यापारिक अनुष्ठान व उससे संबंधित उत्पाद की पूरी जानकारी विश्व के किसी भी कोने में घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं ? I. वेबसाइट से II. इलेक्ट्रॉनिक मेल से III. एस.एम.एस. से IV. समाचार पत्रों से	1
प्रश्न2.	**नीचे <u>2</u> गद्यांश दिए गए हैं। किसी <u>1</u> गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**	5X1=5
	गद्यांश-I	
	यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।	

	भारत महान है क्योंकि इसकी प्राकृतिक शोभा निराली है और अनेक विविधताओं से भरी हुई है। उत्तर में हिमालय पर्वत और दक्षिण में उसके चरणों को पखारता सागर बहुत ही मनोरम है। यहाँ एक के बाद अनेक ऋतुएँ भारत को अपनी शोभा प्रदान करती हैं। ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु, शिशिर ऋतु, हेमन्त ऋतु, शरद ऋतु और इन सब ऋतुओं का सरताज वसन्त ऋतु जन जीवन में आनंद घोलता है। ऋतुराज वसन्त- छः ऋतुओं का प्राकृतिक सौंदर्य संसार के किसी अन्य देश को प्राप्त नहीं है। उत्तरी ध्रुवों में बारह महीने सर्दी रहती है। अफ्रीका में गर्मी ही गर्मी होती है। पर हमारे देश में सारी ऋतुएँ अपने साथ नया आनंद और खुशी लेकर आती हैं। पर वसन्त इन सारी ऋतुओं का राजा है। इसीलिए इसे 'ऋतुराज' वसन्त कहते हैं। बसन्त ऋतु की शोभा वास्तव में निराली है। वसन्त ऋतु से पहले होता है शिशिर का मौसम। शिशिर ऋतु में पेड़ पौधों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं। बसन्त आते ही प्रकृति में नया जीवन आ जाता है। प्रकृति का आँचल नई नई कोंपलों, कोमल-कोमल पत्तों रंग बिरंगे फूलों और फलों से भर जाता है। बागों में कोयल कूकने लगती है। सरसों के खेत पीले पीले फूलों से खिल उठते हैं। आमों की मंजरियों से आम के पेड़ लहरा उठते हैं। चम्पा, चमेली, गुलाब, गैंदा- अनेक प्रकार के फूल, रंग बिरंगे फूल प्रकृति की शोभा बढ़ा देते हैं। सुगंधित हवा के झोंके मन को प्रसन्न कर देते हैं।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(1)	गद्यांश के अनुसार बताइए कि भारत क्यों महान है? I. प्राकृतिक शोभा के कारण II. वसंत ऋतु के कारण III. हिमालय के कारण IV. इनमें से कोई नहीं	**1**
(2)	सब ऋतुओंका सरताज किस ऋतु को कहा जाता है? I. शिशिर ऋतु II. शरद ऋतु III. वसंत ऋतु IV. हेमंत ऋतु	**1**
(3)	हमारे देश में सारी ऋतुएँ अपने साथ क्या लेकर आती हैं? I. आँधी और तूफ़ान II. आनंद और ख़ुशी III. उदासी और मायूसी IV. उपरोक्त सभी	**1**
(4)	शिशिर ऋतु में प्रकृति में क्या परिवर्तन होते हैं? I. अत्यधिक गर्मी के कारण पशु-पक्षी बेहाल हो जाते हैं । II. प्रकृति का आँचल नई नई कोंपलों, कोमल-कोमल पत्तों रंग बिरंगे फूलों और फलों से भर जाता है।	**1**

	III. वर्षा और हरियाली छा जाती है । IV. पेड़ पौधों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं।	
(5)	निम्नलिखित में से **<u>सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक</u>** का चयन कीजिए- I. मेरा देश महान II. ऋतुराज वसंत III. प्राकृतिक सौन्दर्य IV. हरा-भरा संसार	**1**
	अथवा गद्यांश-II	
	यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं ।	
	हम सभी के पास अपने जीवन के लिए कोई न कोई उद्देश्य ज़रूर ही है जिसके द्वारा हम अधिक से अधिक सम्पन्नता, प्रतिष्ठा, अच्छा पद, मानसम्मान प्राप्त करना चाहते है-। इसके लिए हर कोई डॉक्टर, वकील, इंजीनियर आदि बनना चाहता है, तो कोई सफल बिजनसमैन - बनना चाहता है। लेकिन यह सभी उद्देश्य तो केवल हमारी पशु-वृत्ति को ही दर्शाते हैं। जिस प्रकार सभी पशु और जीव-जंतु भी अपने और अपनी संतान के लिए ही परिश्रम करते है और अपने वर्चस्व के लिए ही आपस में संघर्ष करते है। उसी प्रकार हमारा परिश्रम भी तो केवल अपने और अपने परिवार के लिए धन संपत्ति, मानसम्मान अर्जित करना ह-ै, तो हम किस प्रकार अन्य जीव-जंतुओं, पशुओं से अलग हुए? वे भी स्वयं के लिए जीते है और हम भी , फिर हम कैसे कह सकते है कि हम उनसे श्रेष्ठ है? यह सत्य है कि हम मनुष्य , दूसरे जीव-जंतुओं कि अपेक्षा बहुत अधिक बुद्धिमान है , हमने अपनी बुद्धि के बल पर अपने लिए सुख-सुविधाओं के असंख्य साधनों का आविष्कार कर लिया है। पर सब कुछ होते हुए भी हमारी वृत्तियाँ पशुओं के समान ही है। एक पशु भी अपनी प्रवृत्तियों के सामने निर्बल और अवश है वैसे ही हम भी है। हमने नदियों के उफनते हुए पानी को तो बांध बना कर रोक दिया है, लेकिन अपनी भावनाओं पर कोई बांध नहीं बना पाए। हम अपनी प्रवृत्तियों व भावनाओ के सामने आज भी उतने ही अवश है जितने सैकड़ों –हजारों साल पहले थे ।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(1)	किसके पास अपने जीवन के लिए कोई न कोई उद्देश्य ज़रूर है ? I. पशुओं के पास II. मनुष्यों के पास III. परग्रहियों के पास IV. उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(2)	हर कोई डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, बिजनसमैन- आदि क्यों बनना चाहता है ? I. सम्पन्नता के लिए II. पद और प्रतिष्ठा के लिए III. मान-सम्मान के लिए	**1**

	IV. उपरोक्त सभी	
(3)	गद्यांश के अनुसार कौन स्वयं के लिए जीता है ? I. पशु II. मनुष्य III. पशु और मनुष्य दोनों ही IV. इनमें से कोई नहीं	**1**
(4)	किसके बल पर हमने अपने लिए सुख-सुविधाओं के असंख्य साधनों का आविष्कार कर लिया है? I. चमत्कार के बल पर II. बुद्धि के बल पर III. शिकारी प्रवृत्ति के बल पर IV. उपरोक्त सभी	**1**
(5)	आज भी हम किसके सामने अवश हैं? I. नदियों के उफ़ान के सामने II. विज्ञान के सामने III. प्रवृत्तियों व भावनाओ के सामने IV. उपरोक्त सभी	**1**
	व्यावहारिक व्याकरण	**(16)**
प्रश्न3.	**निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए-**	
(1)	जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त हो जाते हैं तब वे कहलाते हैं- I. वर्ण II. अक्षर III. पद IV. अनुच्छेद	**1**
(2)	'बड़े भाई साहब छोटे भाई से पाँच साल **बड़े** थे।' - रेखांकित में पद है:- I. संज्ञा पद II. सर्वनाम पद III. विशेषण पद IV. क्रिया पद	**1**
(3)	'सड़क पर गिरा हुआ थैला मनीष का है।'- वाक्य में संज्ञा पदबंध है:- I. सड़क पर II. गिरा हुआ थैला III. मनीष का है IV. सड़क पर गिरा हुआ थैला	**1**

(4)	‘तताँरा को मानो कुछ **<u>होश आया</u>** ।’ - वाक्य में रेखांकित पदबंध है:- I. संज्ञा पदबंध II. सर्वनाम पदबंध III. क्रिया पदबंध IV. क्रियाविशेषण पदबंध	**1**
(5)	‘**वह <u>धीरे-धीरे चलते हुए</u>** वहाँ जा पहुँची ।’ - वाक्य में रेखांकित पदबंध है:- I. संज्ञा पदबंध II. सर्वनाम पदबंध III. क्रिया पदबंध IV. क्रियाविशेषण पदबंध	**1**
प्रश्न4.	**निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए-**	
(1)	वे वाक्य जिनमें एक प्रधान(मुख्य) उपवाक्य हो तथा एक या एक से अधिक उपवाक्य उस पर आश्रित हों -वह वाक्य कहलाता है:- I. सरल वाक्य II. संयुक्त वाक्य III. मिश्र वाक्य IV. प्रमुख वाक्य	**1**
(2)	‘ये वज़ीर अली आदमी है या भूत।’- वाक्य रचना की दृष्टि से है:- I. सरल वाक्य II. संयुक्त वाक्य III. मिश्र वाक्य IV. प्रमुख वाक्य	**1**
(3)	‘जो व्यक्ति साहसी होते हैं वे विपत्ति में घबराते नहीं हैं।’- का सरल वाक्य बनेगा:- I. साहसी व्यक्ति विपत्ति में घबराते नहीं हैं । II. जो साहसी होते हैं वे घबराते नहीं हैं । III. विपत्ति में घबराने वाले व्यक्ति साहसी नहीं होते । IV. व्यक्ति साहसी होते हैं और विपत्ति में घबराते नहीं हैं ।	**1**
(4)	निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है:- I. पिताजी ने मुझे पढ़ाया और शिक्षक बनाया । II. उसे किताबें खरीदनी थी, इसलिए वह बाज़ार चली गई । III. वामीरो कुछ सचेत होने पर घर की तरफ दौड़ी । IV. परीक्षक ने समय पूरा होने पर उत्तर-पत्रकों को जमा करने के लिए कहा ।	**1**
(5)	निम्नलिखित में सरल वाक्य है:- I. तिराहा उस स्थान को कहते हैं, जहाँ तीन रास्ते आकर मिलते हैं । II. अंकित और शिवेंद्र जी ने ऑनलाइन कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया ।	**1**

	III. अनन्या ने पेन माँगा और रुचि ने उसे लाकर दिया । IV. जीवन में ऐसा पहली बार हुआ कि मैं इस तरह परेशान हो गया ।	
प्रश्न5.	**निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए-**	
(1)	'देशभक्ति'- शब्द में कौन-सा समास है:- I. तत्पुरुष II. कर्मधारय III. बहुव्रीहि IV. द्वंद्व	**1**
(2)	'घुड़सवार'- समस्तपद का विग्रह है :- I. घोड़े का सवार II. घोड़े के लिए सवार III. घोड़े पर सवार IV. घोड़ा और सवार	**1**
(3)	'परम है जो आनंद'- का समस्तपद है :- I. परमआनंद II. परआनंद III. परमानंद IV. प्रेमानंद	**1**
(4)	'रोगमुक्त'- शब्द के सही समास विग्रह का चयन कीजिए :- I. रोग को मुक्त II. रोग से मुक्त III. रोग के लिए मुक्त IV. रोग में मुक्त	**1**
(5)	'विवेकानुसार'- समस्तपद का विग्रह है :- I. विवेक और अनुसार II. विवेक के अनुसार III. विवेक से अनुसार IV. विवेक के लिए अनुसार	**1**
प्रश्न6.	**निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए-**	
(1)	मेरी बेटी मेरी ____________ है । :- सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:- I. आँखों का गुलाब II. आँखों का तारा III. आँखों का सैलाब IV. आँखों का जहाँ	**1**

(2)	मेरे पिताजी ने मुझे पढ़ाने के लिए ____________ । :- सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:- I. दिन रात एक कर दिया II. ईंट से ईंट कर दिया III. बूँद बूँद घड़ा भर दिया IV. राई का पहाड़ बना दिया	1
(3)	हमारे देश के वीर सैनिकों ने दुश्मनों के ____________ । :- सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:- I. दिन रात एक कर दिए II. छक्के छुड़ा दिए III. गाल बजा दिए IV. दाँत निकाल दिए	1
(4)	अपराधी पुलिस को देखते ही ____________बन जाते हैं । :- सटीक मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:- I. भीगें पिल्ले II. भीगीं बिल्ली III. भीगें चूहे IV. भीगीं मोरनी	1
	पाठ्य-पुस्तक	(14)
प्रश्न7.	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**4X1=4**
	'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है। फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं, परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं। अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।। चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए, विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए। घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी, अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी। तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।	
(1)	पद्यांश के अनुसार बड़ा विवेक क्या है ? I. पुराणपुरुष स्वयंभू एक प्रसिद्ध पिता है। II. फलानुसार कर्म के बाह्य भेद हैं ।	1

Deeksha

	III. मनुष्य मात्र बंधु है । IV. उपरोक्त में से कोई नहीं	
(2)	'फलानुसार कर्म' के भेद कैसे हैं ? I. आंतरिक II. बाह्य III. न तो आंतरिक और न बाह्य IV. आंतरिक और बाह्य दोनों	1
(3)	पद्यांश के अनुसार क्या अनर्थ है ? I. मनुष्य का मनुष्य के लिए मरना II. कर्म के अनुसार फलों को भोगना III. मनुष्य द्वारा मनुष्य के कष्टों को न हरना IV. हेलमेल बढ़ना और भेदभाव का नष्ट होना	1
(4)	सच्चा मनुष्य कौन है :- I. जो दूसरों के लिए जीता हो II. जो दूसरों को कष्ट देता हो III. जो स्वयं के लिए मरता हो IV. जो धन,यश की कामना रखता हो	1
प्रश्न8.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5X1=5**
	मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।' ज़बान से यह 'हेकड़ी जताने का साहस न होने पर भी मेरे रंग-ढंग से साफ़ ज़ाहिर होता था कि भाई साहब का वह आतंक मुझ पर नहीं था। भाई साहब ने इसे भाँप लिया-उनकी सहज बुद्धि बड़ी तीव्र थी और एक दिन जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके ठीक भोजन के समय लौटा, तो भाई साहब ने मानो तलवार खींच ली और मुझ पर टूट पड़े-देखता हूँ, इस साल पास हो गए और दरजे में अव्वल आ गए, तो तुम्हें दिमाग हो गया है, मगर भाईजान, घमंड तो बड़े-बड़े का नहीं रहा, तुम्हारी क्या हस्ती है? इतिहास में रावण का हाल तो पढ़ा ही होगा। उसके चरित्र से तुमने कौन-सा उपदेश लिया? या यों ही पढ़ गए? महज़ इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास ।	
(1)	'मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।'- यह कथन किसका है? I. बड़े भाई साहब का II. छोटे भाई का III. छोटे भाई के मित्र का IV. बड़े भाई के मित्र का	1
(2)	बड़े भाई का वह आतंक छोटे भाई पर क्यों नहीं था ? I. क्योंकि बड़े भाई साहब परीक्षा में पास हो गए थे । II. क्योंकि बड़े भाई साहब अब पढाई के लिए परिश्रम करने लग गए थे ।	1

	III. क्योंकि बड़े भाई साहब परीक्षा में फेल हो गए थे । IV. क्योंकि बड़े भाई साहब ने छोटे भाई से अब बात करना छोड़ दिया था ।	
(3)	बड़े भाई ने किस पौराणिक चरित्र का उदाहरण देते हुए छोटे भाई पर व्यंग्य कसा ? I. राम का II. कृष्ण का III. रावण का IV. कंस का	**1**
(4)	बड़े भाई साहब के अनुसार असल चीज़ क्या है? I. इम्तिहान पास कर लेना II. परीक्षा में अव्वल आना III. बुद्धि का विकास IV. उपरोक्त सभी	**1**
(5)	'तलवार खींचना' मुहावरा का अर्थ है :- I. युद्ध के लिए तैयार हो जाना II. आत्मसमर्पण कर देना III. द्वंद्व युद्ध के लिए ललकारना IV. कार्य शीघ्रता से संपन्न करना	**1**
प्रश्न9.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के <u>सर्वाधिक उपयुक्त</u> विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5X1=5**
	कई सालों से बड़े-बड़े बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी जमीन को हथिया रहे थे। बेचारा समंदर लगातार सिमटता जा रहा था। पहले उसने अपनी फैली हुई टाँगें समेटी, थोड़ा सिमटकर बैठ गया। फिर जगह कम पड़ी तो उकड़ूं बैठ गया। फिर खड़ा हो गया...जब खड़े रहने की जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है। परंतु आता है तो रोकना मुश्किल हो जाता है, और यही हुआ, उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाज़ों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट वे ऑफ़ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नज़ारा बना बावजूद कोशिश, वे फिर से चलने-फिरने के काबिल नहीं हो सके।	
(1)	बिल्डर समंदर को पीछे धकेल कर उसकी जमीन को क्यों हथिया रहे थे? I. बड़े-बड़े जहाज़ बनाने के लिए II. वृक्षारोपण के लिए III. नई बस्तियों और भवनों के निर्माण के लिए IV. समन्दर पर बाँध बनाने के लिए	**1**
(2)	समंदर को गुस्सा क्यों आ गया ? I. क्योंकि उसका स्वभाव ही ऐसा था II. क्योंकि उसके रहने का स्थान छिनता जा रहा था	**1**

	III. क्योंकि वह इंसानों को बहुत पसंद करता था IV. क्योंकि वह लोगों को डराना चाहता था	
(3)	'जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।'- पंक्ति का आशय है :- I. बड़े और शक्तिशाली मद में चूर रहते हैं II. जो जितना बड़ा और शक्तिशाली होता है उसके पास धैर्य भी उतना ही अधिक होता है III. बड़े और शक्तिशाली लोगों में क्रोध नहीं पाया जाता IV. इनमें से कोई नहीं	**1**
(4)	तीसरा जहाज़ टूट-फूट कर किस काम आया ? I. बिल्डिंगों को बनाने में II. समंदर पर पुल बनाने के III. सैलानियों का नज़ारा बनने के IV. संग्रहालय के	**1**
(5)	'लहरों पर दौड़ना'- का अर्थ है :- I. पानी में डूबना II. पानी पर तैरना III. पानी के लिए भागना IV. पानी को स्वच्छ बनाना	**1**
	खंड 'ब'-वर्णनात्मक प्रश्न	
	पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक	**(14)**
प्रश्न10.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:-**	**2X2=4**
(i)	एकांकी 'कारतूस' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए कि वज़ीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?	**2**
(ii)	'रूढियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है।' क्यों? तताँरा-वामीरो पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	**2**
(iii)	'कर चले हम फ़िदा' गीत में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?	**2**
प्रश्न11.	**निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:-**	**1X4=4**
	'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर पावस ऋतु में पर्वतीय प्रदेश में होने वाले प्राकृतिक परिवर्तनों और सौन्दर्य का वर्णन कीजिए ।	**4**
प्रश्न12.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**2X3=6**
(i)	टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।	**3**
(ii)	अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। 'हरिहर काका' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	**3**
(iii)	एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।	**3**

	लेखन	(26)
प्रश्न13.	**निम्नलिखित में से किसी 1 विषय पर दिए गए संकेत-बिदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए:-** **1. मेरी पहली यात्रा** • कब, क्यों और कैसे • यात्रा से जुड़े खट्टे-मीठे अनुभव • यात्रा का समापन **2. कोरोना महामारी** • कोरोना का वैश्विक प्रभाव • प्रसार के कारण • बचाव के उपाय **3. अनुशासन** • सफलता का मूल मंत्र • व्यक्तिगत और् सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक • कार्यक्षमता में वृद्धि	1X6=6
प्रश्न14.	ऑनलाइन कक्षाओं के लिए आपने एक मोबाइल की ऑनलाइन बुकिंग कराई थी, किन्तु वह मोबाइल अभी तक आपके पते पर नहीं पहुँचा । इस सन्दर्भ में शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन कम्पनी के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए । **अथवा** आपके घर के पास भवन निर्माण सामग्री खुले में पड़ी है जिससे धूल-मिटटी उड़ती रहती है और प्रदूषण फैलता है। अपने क्षेत्र के नगर-निगम अधिकारी को इस समस्या का समाधान करने के लिए एक पत्र लिखिए ।	1X5=5
प्रश्न15.	आप विद्यालय के हिंदी सभा के अध्यक्ष हैं । आप विद्यालय की पत्रिका के लिए विद्यालय के छात्रों से उनकी स्वरचित रचनाएँ आमंत्रित करना चाहते हैं । इस आशय हेतु लगभग 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए । **अथवा** आप अपने विद्यालय में एक नई कबड्डी टीम बनाना चाहते हैं । इसके लिए विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए लगभग 30-40 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए ।	1X5=5
प्रश्न16.	आप अपने मोहल्ले में हो रहे 'स्वछता सप्ताह' के आयोजन के लिए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । **अथवा** अपना पुराना मोबाइल बेचने के लिए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।	1X5=5
प्रश्न17.	'यदि मैं सुपरमैन होता' - विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए । **अथवा** 'जीवन एक संघर्ष है' - विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए ।	1X5=5

अभ्यास प्रश्नपत्र 2020-21 विषय-हिंदी 'ब' (कोड 85)

कक्षा 10 , अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश:-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है
- खंड 'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए ।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं । ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं ।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए ।

प्रश्न क्रम	खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर	अंक-विभाजन
	अपठित गद्यांश	(10)
प्रश्न1.	गद्यांश-I	
(1)	II. सबल राष्ट्र निर्बल और शक्तिहीन राष्ट्र को अपने चंगुल में फंसाए रखने का प्रयास करते हैं।	1
(2)	IV. भाईचारे की भावना	1
(3)	III. इर्ष्या, द्वेष और विश्वासघात की भावना	1
(4)	III. मानव कल्याण समारोह का आयोजन करना चाहिए।	1
(5)	I. जब हम भौतिकवादी दृष्टिकोण का परित्याग कर सकेंगे ।	1
	अथवा गद्यांश-II	
(1)	III. संचार क्षेत्र	1
(2)	III. प्रिंटर	1
(3)	II. इलेक्ट्रॉनिक मेल	1
(4)	III. इंटरनेट	1
(5)	I. वेबसाइट से	1
प्रश्न2.	गद्यांश-I	
(1)	I. प्राकृतिक शोभा के कारण	1
(2)	III. वसंत ऋतु	1
(3)	II. आनंद और ख़ुशी	1
(4)	IV. पेड़ पौधों के पुराने पत्ते झड़ जाते हैं।	1
(5)	II. ऋतुराज वसंत	1
	अथवा गद्यांश-II	

(1)	II. मनुष्यों के पास	**1**
(2)	IV. उपरोक्त सभी	**1**
(3)	III. पशु और मनुष्य दोनों ही	**1**
(4)	II. बुद्धि के बल पर	**1**
(5)	III. प्रवृत्तियों व भावनाओ के सामने	**1**
	व्यावहारिक व्याकरण	**(16)**
प्रश्न3.	**किन्हीं चार भागों के उत्तर अपेक्षित-**	
(1)	III. पद	**1**
(2)	III. विशेषण पद	**1**
(3)	IV. सड़क पर गिरा हुआ थैला	**1**
(4)	III. क्रिया पदबंध	**1**
(5)	IV. क्रियाविशेषण पदबंध	**1**
प्रश्न4.	**किन्हीं चार भागों के उत्तर अपेक्षित-**	
(1)	III. मिश्र वाक्य	**1**
(2)	II. संयुक्त वाक्य	**1**
(3)	I. साहसी व्यक्ति विपत्ति में घबराते नहीं हैं।	**1**
(4)	II. उसे किताबें खरीदनी थी, इसलिए वह बाज़ार चली गई।	**1**
(5)	II. अंकित और शिवेंद्र जी ने ऑनलाइन कक्षाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया।	**1**
प्रश्न5.	**किन्हीं चार भागों के उत्तर अपेक्षित-**	
(1)	I. तत्पुरुष	**1**
(2)	III. घोड़े पर सवार	**1**
(3)	III. परमानंद	**1**
(4)	II. रोग से मुक्त	**1**
(5)	II. विवेक के अनुसार	**1**
प्रश्न6.	**निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए-**	
(1)	II. आँखों का तारा	**1**
(2)	I. दिन रात एक कर दिया	**1**
(3)	II. छक्के छुड़ा दिए	**1**
(4)	II. भीगीं बिल्ली	**1**
	पाठ्य-पुस्तक	**(14)**
प्रश्न7.	**पठित पद्यांश**	
(1)	III. मनुष्य मात्र बंधु है।	**1**
(2)	II. बाह्य	**1**
(3)	III. मनुष्य द्वारा मनुष्य के कष्टों को न हरना	**1**

(4)	I. जो दूसरों के लिए जीता हो	1
प्रश्न8.	पठित गद्यांश	
(1)	III. नई बस्तियों और भवनों के निर्माण के लिए	1
(2)	II. क्योंकि उसके रहने का स्थान छिनता जा रहा था	1
(3)	II. जो जितना बड़ा और शक्तिशाली होता है उसके पास धैर्य भी उतना ही अधिक होता है	1
(4)	III. सैलानियों का नज़ारा बनने के	1
(5)	II. पानी पर तैरना	1
	खंड 'ब'-वर्णनात्मक प्रश्न	
	पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक	(14)
प्रश्न10.	**किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में अपेक्षित :-**	**2+2=4**
(i)	रॉबिनहुड की ही तरह वज़ीर अली भी साहसी, बहादुर और चकमा देने में माहिर	2
(ii)	बंधनों में जकड़कर व्यक्ति और समाज का विकास, सुख-आनंद, अभिव्यक्ति आदि रुक जाती है। यदि हमें आगे बढ़ना है तो इन रुढ़िवादी विचारधाराओं को तोड़ना ही होगा।	2
(iii)	जिस प्रकार दूल्हे को दुल्हन सबसे प्रिय होती है, उसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी वह बखूबी समझता है, ठीक उसी प्रकार इस धरती रुपी दुल्हन पर सैनिक रुपी प्रेमी कभी विपत्ति सहन नहीं कर सकते। सन् 1962 के युद्ध में भारतीय सैनिकों ने बलिदान के रक्त से धरती रूपी दुल्हन की माँग भरी थी। इसी समानता के कारण भारत की धरती को दुल्हन कहा गया है	2
प्रश्न11.	**इस प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में अपेक्षित:-**	**1X4=4**
	वर्षा ऋतु में प्रकृति प्रतिपल नया वेश ग्रहण करती दिखाई देती है। इस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं - 1. बादलों की ओट में छिपे पर्वत मानों पंख लगाकर कहीं उड़ गए हों तथा तालाबों में से उठता हुआ कोहरा धुएँ की भाँति प्रतीत होता है। 2. पर्वतों से बहते हुए झरने मोतियों की लड़ियों- से प्रतीत होते हैं। 3. पर्वत पर असंख्य फूल खिल जाते हैं। 4. ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर एकटक देखते हैं। 5. बादलों के छा जाने से पर्वत अदृश्य हो जाता है। 6. ताल से उठते हुए धुएँ को देखकर लगता है, मानो आग लग गई हो। 7. आकाश में तेजी से इधर-उधर घूमते हुए बादल, अत्यंत आकर्षक लगते हैं आदि ।	4
प्रश्न12.	**किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में अपेक्षित:-**	**3+3=6**
(i)	• जब रिश्ते प्रेम से बँधे होते हैं तो तब धर्म, मजहब सभी बेमानी हो जाते हैं। • दोनों के बीच एक अटूट मानवीय रिश्ता, दोनों आपस में स्नेह के बंधन में बंधे थे। • जब भी टोपी इफ़्फ़न के घर जाता, दादी के पास ही बैठता। • उनकी मीठी-पूरबी बोली उसे बहुत अच्छी लगती थी। • टोपी को इफ्फन के घर में अपनापन मिलता था।	3

	• इफ्फन की दादी की भावनाओं को समझने वाला भी घर में कोई नहीं था इसलिए दोनों का रिश्ता जाति और धर्म से परे प्यार के धागे से बँधा था आदि ।	
(ii)	हरिहर काका यह जानते थे कि जब तक जमीन उनके पास है, तब तक सभी उनका आदर करेंगें। उनके भाई लोग उनसे ज़बरदस्ती ज़मीन अपने नाम करवाने के लिए डराते थे तो उन्हें गाँव में दिखावा करके ज़मीन हथियाने वालों की याद आती थी। काका ने उन्हें नारकीय जीवन जीते देखा था इसलिए उन्होंने ठान लिया था चाहे मंहत उकसाए, चाहे भाई दिखावा करे पर वह ज़मीन किसी को भी नहीं देंगे।	**3**
(iii)	• वह अध्यापकों की हँसी का पात्र होता क्योंकि कमज़ोर लड़कों के रूप में अध्यापक उसका ही उदाहरण देते थे। • फेल होने के कारण उसके कोई नए मित्र भी नहीं बन पाए। • मास्टर उसकी किसी भी बात पर ध्यान ही नहीं देते थे। • वह किसी से शर्म के मारे खुलकर बातें नहीं कर पाता था आदि ।	**3**
	लेखन	**(26)**
प्रश्न13.	**दिए गए 3 विषयों में से किसी 1 विषय पर दिए गए संकेत-बिदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लेखन:-** • भूमिका - 1 अंक • विषय-वस्तु - 4 अंक • भाषा - 1 अंक	**1X6=6**
प्रश्न14.	**2 में से किसी 1 विषय पर पत्र लेखन:-** • आरम्भ और अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक • विषय-वस्तु - 3 अंक • भाषा - 1 अंक	**1X5=5**
प्रश्न15.	**2 में से किसी 1 विषय पर सूचना लेखन (शब्द सीमा- लगभग 30-40 शब्द) :-** • औपचारिकताएँ - 1 अंक • विषय-वस्तु - 4 अंक • भाषा - 1 अंक	**1X5=5**
प्रश्न16.	**2 में से किसी 1 विषय पर विज्ञापन लेखन (शब्द सीमा- लगभग 25-50 शब्द) :-** • विषय-वस्तु - 2 अंक • प्रस्तुति - 2 अंक • भाषा - 1 अंक	**1X5=5**
प्रश्न17.	**2 में से किसी 1 विषय पर लघुकथा लेखन (शब्द सीमा- लगभग 100-120 शब्द) :-** • कथावस्तु - 3 अंक • भाषा - 2 अंक	**1X5=5**